विश्व पर्यावरण दिवस पर किसान संगोष्ठी का आयोजन

बांसवाड़ा : 05 जुन 2015

नाबार्ड द्वारा अनुदानित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत गांव नाल में विश्व पर्यावरण दिवस पर किसाना संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला परियोजना प्रबंधक एच.के.तोमर ने किसानो को वृक्षा रोपण के महत्व बताए उन्होनें कहा कि परिवार में जितने सदस्य है उतने पेड हर वर्ष हमे लगाने चाहिए तथा उनकी सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जहा तक वे पेड़ बडे नहीं हो जाते वहां तक हमें कोई पेड़ नहीं काटना चाहिए। वृक्ष पर्यावरण संतुलन के लिए अति महत्वपूर्ण है क्योकि यह मनुष्य को प्राणवायु प्रदान करते है वृक्ष का मनुष्य जीवन में सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है। वृक्षो से लकडी, छाया, दवाईया, जडी बुटीया, फल, फुल, गोद, शहद आदि प्राप्त होते है। वृक्ष आजीवन मुनष्य को शुद्ध वायु प्रदान करते है जबकि मनुष्य द्वारा निष्काशित वायु (कार्बनडाइ आक्साइड) को अपने श्वसन क्रिया में काम लेते है।

किसानो को वाडी परियोजना के गांव डुगरीपाड़ा, देवदासाथ व पलकपाडा में किसानो को वृक्षारोपण उनकी देखभाल व सुरक्षा के बारे में किसानो को आपस में रूबरू करवाया गया।

बैठक में ग्राम पंचायत नाल की उपसरपंच झुमली बेन, ग्रामीण विकास ट्रस्ट के नरेन्द्र नागर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, अनिल जैन कार्यक्रम अधिकारी, दिनेश जैन, गुलाब सिंग आदि ने भाग लिया।

एच. के. तोमर
जिला कार्यक्रम प्रबंधक

Few Glimpses of the Event

<u>**Media Coverage of the Event**</u>

दैनिक नवज्योति

उदयपुर, शनिवार, 6 जून 2015

6 उदयपुर ■ 6 जून, 2015 ■ शनिवार — बांसवाड़ा-डूंगरपुर

बांसवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में जीवीटी द्वारा नाल गांव में आयोजित गोष्ठी.

पर्यावरण रक्षा के साथ पौधरोपण

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांसवाड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जिले भर में विभिन्न संस्थाओं द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नाबार्ड द्वारा अनुदानित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत गांव नाल में विश्व पर्यावरण दिवस पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के जिला परियोजना प्रबंधक एच.के तोमर ने कहा कि परिवार में जितने सदस्य है उतने ही वृक्ष लगाकर उनकी सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी लेनी होगी। क्योंकि पौधे ही पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है इन वृक्षों से लकड़ी, छाया, जड़ी-बूटियां, फल-फूल आदि प्राप्त होते है तथा यही हमें ऑक्सीजन भी प्रदान करते है। किसानों को वाड़ी परियोजना के गांव डूंगरीपाड़ा, देवदासाथ व पलकपाड़ा में पौधों की देखभाल व सुरक्षा से रूबरू कराया गया। इस अवसर पर उपसरपंच झूमली, ट्रस्ट के नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, दिनेश जैन, गुलाब सिंह आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किसान संगोष्ठी का आयोजन

पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं वृक्षों को बचाना : तोमर

बांसवाड़ा। नाबार्ड द्वारा अनुदानित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत गांव नाल में विश्व पर्यावरण दिवस पर किसाना संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला परियोजना प्रबंधक एच.के.तोमर ने किसानो को वृक्षारोपण के महत्व बताए उन्होंने कहा कि परिवार मे जितने सदस्य है उतने पेड हर वर्ष हमे लगाने चाहिए तथा उनकी सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जहा तक वे पेड़ बडे नही हो जाते वहां तक हमे कोई पेड़ नहीं काटना चाहिए। वृक्ष पर्यावरण संतुलन के लिए अति महत्वपूर्ण है क्योकि यह मनुष्य को प्राणवायु प्रदान करते है वृक्ष का मनुष्य जीवन मे सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है। वृक्षो से लकड़ी, छाया, दवाईया, जड़ी बुटीया, फल, फुल, गोंद, शहद आदि प्राप्त होते है। वृक्ष आजीवन मुनष्य को शुद्ध वायु प्रदान करते है जबकि मनुष्य द्वारा निष्काशित वायु (कार्बनडाइ आक्साइड) को अपने श्वसन क्रिया में काम लेते है। किसानो को वाडी परियोजना के गांव डुगरीपाड़ा, देवदासाथ व पलकपाड़ा मे किसानो को वृक्षारोपण उनकी देखभाल व सुरक्षा के बारे में किसानो को आपस में रूबरू करवाया गया। बैठक में ग्राम पंचायत नाल की उपसरपंच झुमली बेन, ग्रामीण विकास ट्रस्ट के नरेन्द्र नागर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, अनिल जैन कार्यक्रम अधिकारी, दिनेश जैन, गुलाब सिंग आदि ने भाग लिया।

बांसवाड़ा। किसान गोष्ठी को संबोधित करते जीवीटी के जिला परियोजना प्रबंधक तोमर एवं पौधो के बारे मे जानकारी देते हुए।

अर्जेन्ट टाईम्स

डूंगरपुर, शनिवार 6 जून - 2015